



## प्रीत चुदी चूतेश से-2

“ ज़रा सब्र रख रानी... बहुत कम टाइम लगाऊंगा...  
बस अनचुदी बुर चूसनी है... बाद में तो ये कुंवारी नहीं  
न रहेगी! कच्ची कली की बुर चूसने का आनन्द अलग  
होता है!...”

Story By: चूतेश (chutesh)

Posted: Wednesday, March 15th, 2017

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [प्रीत चुदी चूतेश से-2](#)

## प्रीत चुदी चूतेश से-2

मैं प्रीत की सुगंध का आनन्द लूट ही रहा था कि कम्बल के अन्दर से रानी की आवाज आई-  
आ जा चोदनाथ अब बिस्तर के पास आजा... कम्बल के नीचे मैं बिल्कुल नंगी हूँ... अब  
खोल ले पट्टी...

दीपक ने झट से आकर रानी का दुपट्टा खोल के मेरी आंखें आज़ाद कर दीं।

देखा तो बिस्तर पर कम्बल नीचे से लेकर ऊपर तकिये तक फैला हुआ था और तकिये पर  
रानी के सिर्फ बाल दिख रहे थे। मैं सरक के बिस्तर के नज़दीक रानी के पैरों की तरफ बैठ  
गया।

मैंने हल्के से कम्बल को थोड़ा सा हटाया, रानी के पांव खुल गए।

सबसे पहले मेरी नज़र तलवों पर पड़ी... यार !बेटीचोद दिल बाग़ बाग़ हो गया। मुलायम  
और हल्के गुलाबी से नर्म नर्म तलवे!

दूध से गोरे, रेशम से चिकने और त्रुटिहीन!

मैंने पूरे पांवों को निहारा तो बहनचोद मन प्रसन्न हो गया... बहुत ही हसीन पैर थे रानी के,  
साफ सुथरे भली भांति तराशे हुए नाखून जिनमें हाथों की नेल पोलिश वाले शेड की बैंगनी  
रंग की नेल पोलिश लगाई हुई थी, अंगूठा साथ वाली उंगली से ज़रा सा छोटा!

मैंने मुंह घुमा के दीपक से कहा- सुन... रूम सर्विस फोन करके तीन प्लेट रसगुल्ले और  
तीन पेप्सी या कोक आर्डर दे दे... रानी की बुर का पर्दा फाड़ने के बाद मुंह मीठा करेंगे न!  
दीपक ने जी सर जी कह के आर्डर कर दिया तो मैंने वापिस अपना ध्यान प्रीत रानी के बदन  
पर केंद्रित किया।

अब मैंने उसके पांव सहलाते हुए सबसे पहले तलवे चाटने शुरू किये। पैरों की उंगलियों के

नीचे तलवे पर जो उभार होते हैं उनको मुंह में लेकर चूसा, मलाई समान गोरी चिट्ठी, मुलायम मुलायम एड़ियों पर मजे से चटखारे लेते हुए जीभ फिराई। जितनी एड़ी मुंह में घुस सकती थी, उतनी मुंह में लेकर चूसी। टखनों को चाटा, बारी बारी से दोनों पैरों के अंगूठे और फिर एक एक कर के आठों उंगलियाँ बड़े आराम से चूसी जैसे बच्चे लॉलीपॉप चूसते हैं।

बहुत ही नर्म नर्म रेशमी पांव थे मादरचोद प्रीत रानी के! चाट चाट के दोनों पैर गीले कर दिए।

रानी का हाल ही न पूछो, आनन्द की मस्ती में डूबी बिलबिला रही थी, कराह रही थी और लंबी लंबी आहें भर रही थी। साथ साथ मैं रानी के पांवों की तारीफ भी कर रहा था जिससे रानी की मस्ती और बढ़ती जा रही थी, रानी इधर उधर अपना बदन हिला हिला के अपनी कामोत्तेजना से जूझ रही थी।

हर थोड़ी देर के बाद प्रीत रानी के शरीर में एक कम्पन सा दौड़ता जो मुझे अपनी जीभ और हाथों में थरथराहट के रूप में अनुभव होता!

रानी के पांवों का स्वाद चख के मैंने कम्बल को और सरकाया तो रानी की नंगी टाँगें उजागर हो गईं।

बहनचोद, रानी की मस्त टाँगें देखकर तो बदन चुदास की गर्मी से बिफर उठा। लौड़े में लगा जैसे बिजली का करंट लग गया हो। टट्टों में भराव महसूस होने लगा, हरामज़ादी की टाँगें बहुत ही ज्यादा हसीन थीं, यूँ लगता था कि किसी कुशल मूर्तिकार ने उनको बड़ी फुरसत में, बड़े मस्त मूड में गढ़ा हो! बहुत ही बारीक बारीक रोएं थें जो काफी ध्यानपूर्वक देखने से की दिखाई पड़ते थे। एकदम मलाई की बनी हुई टाँगें थीं मादरचोद रांड की।

मैंने दीवानों की तरह टाँगों पर चुम्मियों की बौछार कर दी, गीली गीली और चुदास की गर्मी से तपती हुई चुम्मियाँ! रानी भी बेकाबू हो गई, टाँगें इधर उधर छटपटाने लगीं,

कम्बल के नीचे से 'सी सी सी... उई माँ... आह आह.. हाय मेरे रब्बा.. मर गई..' की पुकार आने लगी।

मैंने रानी की टाँगें ऊपर करके उसके घुटनों के पीछे के भाग पर जो जीभ फिराई तो रानी ने कसमसाते हुए कम्बल उतार फेंका और चिल्लाई- हाय हाय राजे साले चोदनाथ... बहनचोद मार डालेगा क्या... तेरी जीभ बड़ी ज़ालिम है हरामी हाय हाय हाय !

मैंने तुरंत जीभ हटा कर रानी के बदन की तरफ नज़रें लगाई, बहनचोद रानी के चूचुक देख कर तो कमबख्त दिल की धड़कन रुकने को हो गई।

प्रीत रानी के चूचों का तो कहना ही क्या !!! ऐसे गज़ब के चूचे मैंने तो कभी नहीं देखे थे। मेरा अंदाज़ गलत था, उसके चूचों के साइज़ के बारे में, कपड़े पहने हुए प्रीत रानी को जब देखा था तो मेरा अंदाज़ था कि रानी के चूचुक 38C के होंगे लेकिन अब मुझे लगने लगा कि ये मतवाले चूचे 40D होने चाहिये, और इस चूतेश की गांड फाड़े डाल रहे थे।

वे आलीशान चूचियाँ ब्रा की क़ैद से आज़ादी पाकर पर्वत के दो उन्नत शिखरों की भांति सीधी खड़ी थीं, ओओ... ओहहह !! यार चूचे हों तो प्रीत रानी जैसे हों।

उसके चूचे देख के मेरी सांस ऊपर की ऊपर और नीचे की नीचे ही रह गई। गला सूख गया और माथे पर पसीना छलक उठा, बदन एकदम से मानो चार पांच डिग्री गर्म हो गया। मदमस्त चिकनी और गोरी मक्खन सी चूचियाँ! खूब कसे हुए, उठे हुए गहरे भूरे निप्पल और हर निप्पल का एक एक बड़ा सा दायरा जिसका रंग हल्का भूरा !

मेरे सब्र का बाँध टूट गया, मैं एक वहशी दरिदे की तरह प्रीत रानी के चूचुक पर टूट पड़ा। एक चूचा मुंह में लेकर दूसरे को ज़ोर से दबाया।

रानी की चुदास की गर्मी से चूचे ऐंटे पड़े थे, चूची की घुंडी अपने अंगूठे और उंगली के बीच दबा के ज़ोर से रगड़ते हुए उमेट डाली और उसके बाद चूचे में अपनी पांचों उंगलियाँ गाड़ के ज़ोर ज़ोर से चूचा दबाना शुरू किया, दूसरा उरोज मैं बेसाख्ता चूसे जा रहा था, हुम्म

हुम्म हुम्म हुम्म करते हुआ मैं चूचे को चूस रहा था, उस पर गीली जीभ फिरा रहा था और पूरा का पूरा स्तन मुंह में लेने की असफल चेष्टा कर रहा था।

कुछ देर तक एक चूचा चूसने के बाद मैंने दूसरा वाला चूचा मुंह में लिया और पहले वाले का मर्दन करने लगा। रानी के मुंह से फटी फटी आवाज़ निकली- आह आह राजे मादरचोद... सी सी सी... और ज़ोर से मसल मम्मे... अहा उम्ह... अहह... हय... याह... अहा अहा... बहनचोद बहुत सख्त हो रहे हैं... और ज़ोर से चोदनाथ और ज़ोर से... दांत गाड़ दे कुत्ते... निप्पल चीर डाल साले... अहा अहा अहा!

रानी की इच्छानुसार मैंने दांत कस के चूची में गाड़ दिए और दूसरी चूची को ज़ोर से मसला, रानी मस्त के कुलकुलाई- आह आह राजे साले चोदनाथ... और ज़ोर से काट... बहनचोद... अहा अहा अहा अहा...

मैंने अब चूची बदल के एक चूची को मसला और दूसरी में ज़ोर से काटा।

जैसे ही रानी कराहते हुए आहें भरीं, मैंने झट से अपना चेहरा प्रीत रानी की साटिन सी चिकनी चूचियों पर लगा के, हौले हौले रगड़ के उनके स्पर्श का आनन्द लिया- आहा... आहा...

बहनचोद चूचुक कामवासना के भयंकर उत्तेजना से ग्रस्त होकर तन्नाए हुए तो थे ही, खूब गर्म भी हो रहे थे।

इसके बाद तो मैंने रानी के चूचुक से जो खेला है तो पूछो ही मत... बार बार मैं प्रीत रानी के मम्मों को चूसता, चाटता, फिर कुचल कुचल के मसलता, तो कभी ज़ोरों से काट लेता या निप्पल को च्यूटी में भर के उमेठ देता।

रानी भी काम विहल होकर सीत्कार पर सीत्कार ले रही थी, उसने मेरे बाल जकड़ रखे थे और जब ज़ोर से मस्ती चढ़ जाती तो वो उन्हें खींचती या नाखून मेरी पीठ में गाड़ देती। वो चुदास में बौरा कर छटपटा रही थी, कभी टाँगें इधर करती तो कभी उधर या तेज़ तेज़

चूतड़ उछालती- हाय हाय चोदनाथ माँ के लौड़े... आहा... आहा... बहनचोद बड़ा मजा आ रहा है जानू... आहा... आहा... जान निकाल दे मेरी कमीने... ओए रब्बा आज न बचने वाली मैं... राजे साले हरामी... अब चोद भी दे न राजे। उईई ईईईई... बहनचोद निप्पल उखाड़ेगा क्या... उईईई ईईईईई... ईईईईई... प्लीज़ चोदनाथ यार अब बर्दाश्त नहीं होता... आहा आहा आहा!

मैंने हाथ नीचे करके रानी की बुर पर छुआया, बुर तो साली रस से लबालब भरी हुई थी, यहां तक कि जूस रिस रिस के बाहर निकल रहा था और फलस्वरूप रानी की बुर के दोनों तरफ जांघें खूब गीली हो गई थीं।

ढेर सारा जूस मेरे हाथ पर आ गया, मैंने तुरंत उस नशेदार ज़ायकेदार रस को चाट लिया जिससे मेरी उत्तेजना यूँ भड़क उठी जैसे जलती आग में घी डाल दिया जाए।

इधर प्रीत रानी व्याकुल हुई बार बार चुदाई की गुहार लगा रही थी, चुदास अब उसके सब्र का बाँध तोड़ चुकी थी। इधर उसकी बुर के मादक जूस को चाट के मैं भी बेकाबू हो गया था।

अब समय आ गया था कि रानी की बुर का उद्घाटन कर दिया जाए।

मैंने भर्राई हुई आवाज़ में कहा- रानी... चोदता हूँ जान-ए-मन... ज़रा इस कुंवारी बुर को चूसने का लुत्फ़ तो उठा लूँ... बस ज़रा सा सब्र और रख रानी... बहुत कम टाइम लगाऊंगा... बस अनचुदी बुर चूसनी है... बाद में तो ये कुंवारी नहीं न रहेगी!

इसके पहले की रानी कोई प्रतिक्रिया देती, मैंने उसका मुँह चूम लिया, फट से नीचे सरक के रानी की टाँगें चौड़ी की और मुँह रिसरिसाती हुई कच्ची बुर से लगा दिया।

कच्ची कली की बुर चूसने का क्या आनन्द होता है, यह तो वही बंदा समझ सकता है जिसने कभी ये नशा लिया हो। इसका शब्दों में वर्णन करना कठिन है।

बस ये समझ लीजिए कि चुदास का सुरूर तो सिर पर पूरी तरह से सवार था ही, ये मदमस्त बुर चूसते ही नशा कई गुना बढ़ गया। कुत्ते की भांति जीभ लपलपाते हुए मैं प्रीत रानी का बुर पान करने लगा, मेरी जीभ की टुकर टुकर से रानी भी मजा लूट रही थी, बार बार अपने नितम्ब ऊपर नीचे झुमाते हुए सिसकारियाँ भर रही थी।

मैं मचल मचल के बुर का जूस चूस रहा था और गहरी गहरी साँसें लेकर इस लंड की प्यासी प्रीत रानी की बुर की सुगंध अपने नथुनों में भर रहा था- आआह... आआआह... आआआह... आआह! हे भगवान! इस स्वाद का, इस नशे का और इस मादक गंध का कोई तोड़ नहीं!

प्रीत रानी की व्याकुलता उसको बेहाल किये थी, वो बार बार हाथ जोड़ के चुदने की दुहाई दे रही थी।

कुछ समय रानी की बुर का लुत्फ़ उठाकर मैंने उसकी बेकरारी दूर करने का तय कर लिया।

मैं रानी को छोड़ के उठा और अपने सूटकेस में एक पायजेब का जोड़ा निकाला, जो मैं अक्सर रानियों को पहली बार चुदाई करते हुए तोहफे के रूप में दिया करता हूँ। पायजेब पहनाने के लिए मैंने रानी का अति सुन्दर पांव को प्यार से सहलाते हुए उठाया और कई चुम्मियाँ लेते हुए पायजेब पहना दी।

प्रीत रानी ने सिर उठाकर देखना चाहा कि मैं क्या कर रहा हूँ।

मैंने कहा- रानी, यह तेरी बुर दिखाई का तोहफा है... कुछ खास नहीं पायजेब का सेट है... तेरे हसीन पैरों की शोभा बढ़ाने के लिए! जब जब भी तू चुदाई किया करेगी, इस पायल की झुन झुन झुन झुन तुझे मेरी याद दिलाया करेगी.. तेरे पांवों की सुंदरता के सामने ये बहुत छोटी सी चीज़ है लेकिन मेरा दिल कर रहा था कि अपनी रानी के पैरों में ये पहनाऊं!

रानी ने तड़प के भिंची भिंची आवाज़ में कहा- चोदनाथ, बहुत ही सुन्दर पायल है राजा...

तू इतना प्यार करके किसी दिन मेरे प्राण ही हर लेगा कमीने... क्यों लाया इतनी महँगी सोने की पायल... मेरे लिए तो तेरा लंड ही सबसे बड़ा तोहफा था, आज मेरी बाँहों में राजा, तुझको थैंक्स की मस्त चुम्मी दूंगी !

मैं जम्प लगा के बिस्तर पर चढ़ गया और रानी के फूल से नाज़ुक शरीर को अपने आगोश में भर लिया ।

कुंवारी बुर चोदन की कहानी जारी रहेगी ।



## Other stories you may be interested in

### नई भाभी चूत चुदवाने आई हमारे मोहल्ले में

न्यू भाभी पोर्न कहानी हमारे घर के पास रहने आई एक हुस्न की परी सविता भाभी की है। उनका पड़ोसी होने के कारण उनकी सहायता मैं ही करता था. मैंने भाभी की चुदाई कैसे की ? दोस्तो, मेरा नाम विकास है, [...]

[Full Story >>>](#)

### बस में मिली अजनबी लड़की को चोदा

देसी Xxx गर्ल फ़क़ स्टोरी में पढ़ें कि बस में मिली एक लड़की और उसकी मामी मुझे अपने घर ले गयी. वहां वह लड़की मेरे साथ सेक्स का मजा लेने के लिए मेरे पास सोयी. मैंने उसे कैसे चोदा ? अन्तर्वासना [...]

[Full Story >>>](#)

### पढ़ाई के बहाने पड़ोसन भाभी की चूत मिल गई

भाभी की मस्त चुदाई का मजा मुझे दिया मेरे पड़ोस में रहने आई एक सेक्सी भाभी ने! मैंने किसी तरह से उससे दोस्ती कर ली। अब मैं उसकी चूत मारने की फिराक में थी, मेरा मकसद कैसे पूरा हुआ ? कैसे [...]

[Full Story >>>](#)

### छोटे ट्रक में सेक्स का नंगा खेल

Xxx डर्टी सेक्स कहानी में पढ़ें कि मजबूरी में मुझे अपनी जवान बेटी के साथ एक छोटे ट्रक में पीछे बैठना पड़ा. वहां एक जवान लड़का भी बैठा था. उस लड़के ने हम दोनों माँ बेटी के साथ क्या खेल [...]

[Full Story >>>](#)

### हस्तमैथुन के चक्कर में जीजी की चूत मिली

हॉट कज़िन सिस Xxx कहानी में पढ़ें कि स्कूल में जब मुझे मुठ मारने का पता चला तो मैं अपने घर में तरी कर रहा था. लेकिन मेरी बुआ की बेटी ने मुझे देख लिया. उसने क्या किया ? नमस्ते दोस्तो, [...]

[Full Story >>>](#)

